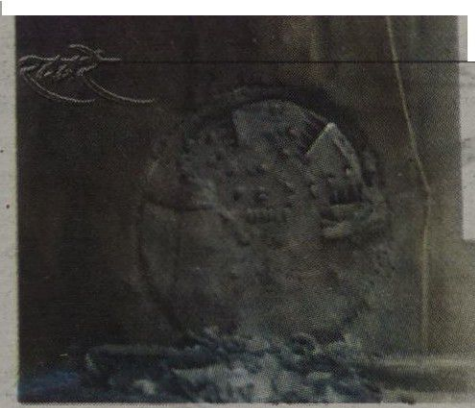

आजाद मैदान से मुंबई सेंट्रल
आर-पार हुई मेट्रो लाइन
३.८१४ किमी का सफर २० महीने में हुआ पूरा

- जमीन के २० मीटर भूगर्भ में हो रही थी खुदाई
- २,७२० सेगमेंट रिंग का हुआ इस्तेमाल
- मेट्रो-३ का १५वां ब्रेक थ्रू हुआ पूरा

सुजीत गुप्ता / मुंबई

कुलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो-३ के अंडरग्राउंड टनल खुदाई के काम को कल एक और सफलता मिली। इस मेट्रो कॉरिडोर का हिस्सा रहे आजाद मैदान से मुंबई सेंट्रल के बीच ३.८१७ किमी टनल खुदाई का काम पूरा हो गया। इसी के साथ ही डाउन लाइन की मेट्रो खुदाई करनेवाली 'वैतरना' ये टीबीएम मशीन इस परियोजना की पहली मशीन साबित हुई है। महज २० महीने में ही इस टीबीएम मशीन ने यह दूरी तय की है। वैतरना टीबीएम ने जमीन के २० मीटर नीचे भूभाग में बेसाल्ट और ब्रेसिया नामक कठोर पत्थरों को चीरते हुए इस दूरी को तय किया है। इस दौरान २,७२० सेगमेंट रिंग का इस्तमेल किया गया।

बता दें कि मेट्रो-३ परियोजना का यह १५वां ब्रेक थ्रू (आर-पार टनल खुदाई) है। वैतरना टीबीएम मशीन एचसीसी-मॉस्मेट्रोस्ट्रॉय समूह के अंतर्गत टनल खुदाई का काम कर रही है। वैतरना-१ के मार्ग में इस दौरान १४ ऊंची इमारतें और २८ ऐतिहासिक धरोहर सहित कई पुरानी इमारतें रोड़ा बनकर खड़ी थीं लेकिन बड़े ही सुरक्षित तरीके से इस काम को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

- सफलतापूर्वक ब्रेक थ्रू पर मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की व्यवस्थापकीय संचालक अश्विनी भिड़े का कहना है कि ये एक चैलेंज काम था। पैकेज दो को जो समय दिया गया था, उसी समय पर ये काम पूरा होने से हमारा आत्मविश्वास दोगुना बढ़ गया है।

मेट्रो-३

मेट्रो-३ कुलाबा-बांद्रा-सीप्ज
लंबाई- ३३.५ किमी
काम- २०१५ में शुरू
लागत- २३,१३६ करोड़ रुपए
खर्च- अब तक ९,४०२.०९ करोड़ रुपए
लक्ष्य- २०२०-२१ में पूरा
५२ किमी (अप-डाउन) होनी है खुदाई
३१ किमी की खुदाई पूरी

वैतरना-१

ये टीबीएम मशीन ३.८१४ किमी की टनल खुदाई कर मुंबई सेंट्रल स्टेशन से बाहर निकली है। मेट्रो-३ का मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन शुरू होने पर मुंबई सेंट्रल डिपो, मुंबई सेंट्रल उपनगरीय लोकल और मरीन लाइन के यात्रियों को सुविधा होगी। अब तक मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने १७ टनल बोरिंग मशीन की मदद से ३१ किमी अंडरग्राउंड मेट्रो टनल की खुदाई पूरी कर ली है।